02khel100.qxd 01-10-2026 22:49 Page 1




# चांदी ले आयी फ्रांसिस, प्रिंस की नौका

## नौकायन : पुरुषों के स्किप स्पर्धा में जीता रजत, हर्षिता तोमर-शीतल वर्मा को कांस्य

**नागोया (एजेन्सियां)।** एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला पदक जीता। गुरुवार को पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने रजत पदक हासिल किया। नौ रेस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने २३ अंक के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी वेन जाइडिंग और लियू तियान ने १६ अंक के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ २४ अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उनका सबसे अच्छा नतीजा तीसरी रेस में आया जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस तीन जीती और रेस १, ५ और ९ में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल २९ अंक हासिल किये। रेस आठ में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर २३ रहा। यह



पदक पुरुषों के स्किफ इवेंट में भारत का पहला एशियन गेम्स रजत पदक और इस इवेंट में देश का दूसरा पदक था। वरुण ठक्कर और केसी गणपति ने जकार्ता २०१८ में कांस्य जीता था। मनु और प्रिंस का रजत एशियन गेम्स में भारत का २४वां सेलिंग पदक भी था। हांगझोउ २०२३ में भारत ने तीन पदक जीते थे। ज्यादातर खेलों के विपरीत, सेलिंग में कम अंक वाला स्कोरिंग सिस्टम होता है। इसमें रेस जीतने वाली बोट को एक अंक, दूसरे स्थान पर रहने वाली बोट को दो अंक मिलते हैं और इसी तरह आगे भी। सबसे कम कुल स्कोर वाला विजेता बनता है और तय संख्या में रेस होने के बाद सबसे खराब नतीजे को हटा दिया जाता है। हालांकि चीन ने स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाये रखी और नौ में से चार रेस जीतीं। वहीं हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने महिला स्किफ ओपनिंग सीरीज में कांस्य पदक जीत लिया। नौ रेस के बाद भारतीय जोड़ी २४ नेट प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रही। भारतीय जोड़ी ने नौवीं और आखिरी रेस में चौथा स्थान हासिल किया लेकिन पूरे चरण में शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनायी। रजत पदक ३१ साल के फ्रांसिस और ३० साल के नोबल के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। दोनों बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। कोच्चि के रहने वाले इन सेलर्स की इस खेल में शुरुआती दौर में ही दिलचस्पी जग गयी थी और बाद में उन्होंने भोपाल के नेशनल सेलिंग स्कूल और केरल के मुजिरिस यॉटिंग क्लब में ट्रेनिंग ली। एशियाई खेलों में मिला यह पदक उनकी पिछली कामयाबियों में एक और उपलब्धि है। इससे पहले वे एशियाई सेलिंग चैम्पियनशिप में कांस्य जीत चुके हैं। स्किफ हल्की और छोटी सेलिंग बोट होती है जिसे चलाने के लिए क्रू मेंबर्स के बीच बहुत अच्छे तालमेल की जरूरत होती है। इनमें रेस के नतीजे अक्सर रणनीतिक फैसलों, सही पोजिशनिंग और कई राउंड में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से तय होते हैं। मनु फ्रांसिस और प्रिंस नोबल कुरिसिंकल के लिए सेलिंग का सफर किसी चमक-दमक के बीच शुरू नहीं हुआ था। इसकी शुरुआत कोच्चि के चेराई बीच पर एक जुगाड़ से तैयार की गई नाव से हुई थी। आज यही दोनों खिलाड़ी नागोया की लहरों से जूझते हुए पुरुषों की स्किफ रेस में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। इस पदक के साथ एशियन गेम्स २०२६ सेलिंग में भारत का खाता भी खुल गया।

## हाकी : महिलाओं के सामने होगी चीन की चुनौती

**काकामिगाहारा (एजेन्सियां)।** फार्म में चल रही भारतीय टीम एशियाई खेलोंके महिला हॉकी फाइनलमें गत चैम्पियन चीन के विरुद्ध शुक्रवार को उतरेगी तो नजरें ४४ साल बाद स्वर्ण पदक जीतकर लास एंजिलिस ओलम्पिक २०२८ के लिए क्वालीफाई करके पुराने कई मलाल मिटानेपर होंगी। टोक्यो ओलम्पिक २०२० में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलम्पिक २०२४ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी भारतीय टीम के लिये सबसे बड़ी प्रेरणा लास एंजिलिस में दो साल बाद होने वाले खेलों का सीधे टिकट कटाना है। मौजूदा फार्म और विश्वकप में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को देखते हुए यह संभव भी लग रहा है बस अपेक्षाओं के दबाव से पार पाना होगा। भारत ने एशियाई खेलों में एकमात्र स्वर्ण १९८२ में दिल्ली में जीता था जब महिला हाकी को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया था। उसके बाद से भारत १९९८ और २०१८ में फाइनलमें पहुंचा लेकिन क्रमशः दक्षिण कोरिया और जापान से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अब युवा खिलाड़ियों से सजी कोच शोर्ड मारिन की यह टीम लंबे इंतजार को खत्म करने और दमदार प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त देने का माद्दा रखती है।



## नितेश खत्म नहीं कर सके स्वर्ण का सूखा

**नागोया (एजेन्सियां)।** नितेश सिवाच को जापान के यूरी नाकाजातो से ०-४ हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जिससे भारत का एशियन गेम्स में ग्रीको रोमन शैली के चैम्पियन को देखने का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी बढ़ गया। नितेश ने ९७ किलोग्राम भार वर्ग के इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाने की कोशिश की लेकिन जापान के पहलवान ने उनकी एक नहीं चलने दी। भारत की तरफ से ग्रीको रोमन शैली में एशियाई खेलों में आखिरी बार स्वर्ण पदक १९६२ में मालवा सिंह (५२ किलोग्राम) और गणपत अंडालकर (९७ किलोग्राम से अधिक) ने जीते थे। जापान के पहलवान ने नितेश को आगे धकेलकर स्कोरिंग की शुरुआत की। नितेश को निष्क्रियता के कारण ग्राउंड पोजीशन में आना पड़ा लेकिन उन्होंने शानदार बचाव किया और नाकाजातो को अंक हासिल करने का मौका नहीं दिया। नाकाजातो ने पहले पीरियड के अंत तक २-० की बढ़त बना ली थी और अंत तक

**कुश्ती : रजत से करना पड़ा संतोष, मानसी कांस्य से चूकी**

नितेश को 'हेड लाक' पोजीशन में जकड़े रखा। स्थानीय खिलाड़ी ने इसके बाद नितेश का संतुलन बिगाड़ दिया और इस दांव को सफलतापूर्वक 'टेक डाउन' में बदलकर ४-० की बढ़त हासिल कर ली। जब एक मिनट का समय बचा था तब भारतीय पहलवान को आक्रामक होने की जरूरत थी लेकिन जापान के पहलवान ने ऐसा नहीं होने दिया। वहीं महिला पहलवान मानसी को ६२ किग्रा भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मानसी को मंगोलिया की अल्तजिन तोगतोख ने ५-२ से हराया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

## गणेश मणि को कांस्य चिकिता का सफर खत्म



**नागोया (एजेन्सियां)।** भारतीय कंपाउंड तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। बुधवार को स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम का हिस्सा रहे गणेश ने स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर होने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में वियतनाम के कोंग डुक डांग को १४९-१४४ से हराया। भारत के २० वर्षीय तीरंदाज ने कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए १५ में से १४ तीर १० अंक पर लगाये। गणेश को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ १४४-१४८ से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। भारतीय तीरंदाज मुकाबले में पिछड़ता रहा और अंततः २९-३०, २९-३०, २९-२८, २९-३०, २८-३० से हार गया। गणेश ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चीह लुन चेन को १४८-१३८ से हराया था। गणेश ने सभी पांच सीरीज में जीत दर्ज की। उन्होंने शुरुआती दो सीरीज में केवल दो बार नौ अंक का निशाना लगाया जिसके बाद लगातार १० अंक के निशाने साधे। वहीं, चिकिथा तनीपार्थी हालांकि कंपाउंड वर्ग में पदक की हैटट्रिक बनाने से चूक गयीं। उन्होंने बुधवार को महिला टीम और मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे। हालांकि अंतिम आठ के मुकाबले में उन्हें इंडोनेशिया की नुरिसा दियान अशरीफाह के हाथों १४३-१४४ (२९-३०, २९-३०, २९-२९, २९-२६, २७-२७) से हार का सामना करना पड़ा। चिकिथा क्वार्टर फाइनल में लय हासिल नहीं कर सकीं और पांच चरण में से केवल एक चरण ही जीत पायीं। पांचवें चरण के पहले शाट में आठ अंक हासिल करने का चिकिता को खामियाजा भुगतना पड़ा और अंततः उन्होंने एक अंक के अंतर से मुकाबला गंवा दिया। भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन टीम इवेंट में तीन स्वर्ण और व्यक्तिगत इवेंट में एक कांस्य पदक के साथ किया। आइची-नागोया में व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा की दोनों कैटेगरी में भारत हांगझोऊ २०२३ में जीते गये अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में नाकाम रहा। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय कंपाउंड तीरंदाज ने सभी पांच स्वर्ण जीते थे।

**तीरंदाजी**

## भारत ने सेपकटकरा में पक्का किया पदक

नागोया (एजेन्सियां)। भारत ने एशियन गेम्स के पुरुष क्वाड्रेंट सेपकटकरा स्पर्धा में पदक पक्का कर लिया है। भारत ने आखिरी ग्रुप मैच में म्यांमारको २-१ से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम इंडिया ने ग्रुप के तीनों मैच जीते और अजेय रहते हुए ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ भारत अब सेमीफाइनल में खेलेगा। भारत को उम्मीद के विपरीत म्यमार से कड़ी टक्कर मिली। भारतीय खिलाड़ियों ने पदक की उम्मीद सजोए हुए म्यमार के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोक दी। इधर म्यमार के खिलाड़ियों ने भी हिम्मत नहीं हारी और जोरदार टक्कर दी लेकिन भारत जीतने में सफल रहा।

## महिला टीम को कांसे से करना पड़ा संतोष

**स्क्वैश : पुरुष टीम सेमीफाइनलमें**

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय महिला स्क्वैश टीम को एशियन गेम्स में गुरुवार को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ १-२ से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टीम सेमीफाइनल में मलयेशिया का सामना करेगी। सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम ११-९ और दूसरा गेम ११-९ से अपने नाम किया। हालांकि इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और



उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा गेम चान सिन ने ११-६ से जीता तो चौथे गेम को १३-११ और पांचवें गेम को १२-१० से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में १-० की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया। पहले गेम में तन्वी को ४-११ से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को १-१ से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम १३-११, तीसरा गेम ११-९, १३-११ से जीता। निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गयीं। हो त्जे ने पहला गेम ११-४ से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को ११-७ से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आयीं और उन्होंने ११-९ से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया।

## गोल्फ : प्रणवी के सहारे बढ़ी भारत के दोहरे पदक की उम्मीद

**नागोया (एजेन्सियां)।** भारतीय गोल्फर प्रणवी शरत उर्स ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में सात अंडर ६३ का कार्ड खेला। कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में प्रणवी ने बिना कोई बोगी किये सात बर्डी लगाईं और इस प्रदर्शन के दम पर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत की महिला टीम भी पदक की दौड़ में आ गयी है। प्रणवी का दो दौर के बाद कुल स्कोर ११ अण्डर १२९ है और वह शीर्ष पर चल रहीं शैनन टैन से सिर्फ दो शाट पीछे हैं। टैन १३ अंडर के स्कोर के साथ पहले स्थान पर हैं। प्रणवी शुक्रवार को तीसरे दौर में फाइनल ग्रुप में उतरेंगी। प्रणवी ने दूसरे दौर की शुरुआत लगातार दो बर्डी के साथ की। शुरुआती छह होल में उन्होंने चार बर्डी लगायीं। इसके बाद १३वें से १६वें होल के बीच तीन और बर्डी हासिल कर उन्होंने अपना स्कोर सात अंडर तक पहुंचाया। उनकी सबसे खास बात यह रही कि पूरे दौर में उन्होंने एक भी बोगी नहीं की। अपने प्रदर्शन पर प्रणवी ने कहा कि टी से ग्रीन तक उनका खेल काफी मजबूत रहा और उन्होंने ज्यादा गलतियां नहीं कीं। उन्होंने बताया कि फेयरवे और ग्रीन पर लगातार पहुंचना उनकी रणनीति रही जिससे उन्हें एप्रोच शाट के लिए बेहतर स्थिति मिली। प्रणवी की शानदार ६३ का सीधा फायदा भारतीय महिला टीम को मिला। भारत सात अंडर २७३ के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। टीम स्पर्धा में हर दौर के दो सर्वश्रेष्ठ स्कोर गिने जाते हैं। प्रणवी के अलावा दीक्षा डागर दो राउंड के बाद संयुक्त रूप से २१वें और अदिति अशोक संयुक्त रूप से २५वें स्थान पर हैं। चीन और सिंगापुर भारत से आगे हैं। भारत शीर्ष पर मौजूद चीन से पांच शाट और दूसरे स्थान पर मौजूद सिंगापुर से चार शाट पीछे है। अभी ३६ होल का खेल बाकी है ऐसे में भारत के पास महिला व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में पदक जीतने का मौका है। पुरुषों की स्पर्धा में भारत के सत्तक तलवार दूसरे दौर में दो अंडर ६८ का कार्ड खेलने के बावजूद तीसरे स्थान से खिसककर संयुक्तत सातवें स्थान पर पहुंच गए। उनका कुल स्कोर छह अंडर है। चीनी ताइपे के वांग वे शुआन और चीन के डिंग वेनयी नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। जापान के काजुकी हिगा और पूर्व हीरो इण्डियन ओपन चैम्पियन कीता नाकाजिमा आठ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। पुरुष टीम स्पर्धा में जापान २६४ के स्कोर के साथ शीर्ष पर है।

## ४९ सेकेण्ड पहले पलटी बाजी से भारत स्वर्ण के करीब



**काकामिगाहारा (एजेन्सियां)।** अभिषेक के कमाल से भारतीय पुरुष हाकी टीम ने गुरुवार को चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में ४-३ से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत लगातार दूसरी बार एशियाड के खिताबी मुकाबले में पहुंचा है। भारत की पुरुष और महिला स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंची हैं। भारत एक समय पाकिस्तान के खिलाफ ३-० से आगे चल रहा था लेकिन पाकिस्तान ने तीसरे क्वार्टर से वापसी की और स्कोर बराबर कर दिया। अभिषेक ने हालांकि मैच खत्म होने से ४९ सेकेंड पहले मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलायी जो अंत में निर्णायक साबित हुई। मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाये। भारत ने पहले ही क्वार्टर से दबाव बनाना शुरू किया। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी पर गोल कर भारत को १-० से आगे कर दिया है। इससे पहले भारत को चार बार गोल करने के मौके मिले थे लेकिन टीम इससे चूक रही थी। हालांकि हरमनप्रीत ने पांचवें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने का मौका नहीं छोड़ा। इसके बाद दिलप्रीत ने भी गोल दागा लेकिन रेफरी ने इसे अमान्य करार दिया। हरमनप्रीत ने इसके बाद १३वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर एक और गोल दागा और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने २३वें मिनट में मैदानी गोल दागकर स्कोर ३-० कर दिया। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक ३-१ की बढ़त बनाये रखी। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में दो गोल दागे जबकि सुखजीत सिंह ने दूसरे क्वार्टर में एक गोल किया। हालांकि, पाकिस्तान ने भी गोल का खाता खोला। दूसरा क्वार्टर का खेल समाप्त होने से पहले पाकिस्तान के अबु महमूद ने ३०वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल दागा। हाफ टाइम तक ज्यादातर समय गेंद भारत के पाले में रही। इस दौरान भारत को सात और पाकिस्तान को छह पेनल्टी कार्नर मिले। भारतीय टीम ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जबकि पाकिस्तान को एक बार सफलता मिली। हाफ टाइम तक पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने तीसरे क्वार्टर में वापसी की कोशिश की। पाकिस्तान के अहमद बट्ट को ३८वें मिनट में पीला कार्ड दिखाया गया। वहीं, भारत के दिलप्रीत सिंह को ४३वें मिनट में ग्रीन कार्ड दिया गया। तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की और हनन शाहिद ने ४५वें मिनट में मैदानी गोल दागा। तीसरे क्वार्टर में भारत एक भी गोल नहीं कर सका। इसके बाद चौथे क्वार्टर की शुरुआतमें वहीद राणा ने ४९वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। हाफ टाइम तक भारत ने बढ़त बनायी लेकिन पाकिस्तान ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में एक-एक गोल कर मैच को रोमांचक बना दिया। चौथे क्वार्टर के अंतिम समय में भारतीय टीम दबाव में दिख रही थी। इस दौरान टीम का खेल औसत रहा और गोल करने के कई मौके गंवाये। भारत का भाग्य ने साथ दिया और ६०वें मिनट में अभिषेक ने मैदानी गोल किया जिससे भारत अपने पक्ष में नतीजा लाने में सफल रहा। भारत और पाकिस्तान का मैच हाकी के इतिहास की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक है। एक समय इस मुकाबले से ही टूर्नामेंट की अहमियत तय होती थी लेकिन अब वह बात नहीं रही है।

पुरुष हाकी

**पाकिस्तानको ४-३ से हराया**

# भारत-पाकिस्तान में होगी पीले तमगे की जंग

## क्रिकेट : ईशानकिशन का अर्द्धशतक श्रीलंका को १२४ रन से हराया

**निशिन (एजेन्सियां)।** ईशान किशन के रेकार्ड अर्द्धशतक (अजेय ८० रन) के बाद जसप्रीत बुमराह (२-७) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सहारे गत चैम्पियन भारत ने श्रीलंका पर १२४ रन की अपनी सबसे बड़ी जीत के साथ एशियन गेम्स क्रिकेट में लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला स्वर्ण पदक के लिए पाकिस्तान से होगा जिसने पहले सेमीपफाइनल में बंगलादेश को छह विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टर्न लेती पिच पर टास हारकर पहले खेलने उतरी भारतीय टीम की हालत एक समय काफी खराब हो गयी थी। सलामी जोड़ी वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी अभिषेक शर्मा दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर सात रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद संजू सैमसन (सात), वैभव सूर्यवंशी (३८), कप्तान श्रेयस अय्यर (१३) के रूप में भारत ने १०वें ओवर में ८७ रन पर चार विकेट गंवा दिये लेकिन एक छोर पर डटे रहे बिहार के ईशान किशन ने ४६ गेंदों में चार चौके और पांच छक्के की मदद से ८० रन की पारी खेल दी जिससे भारत २० ओवर में सात



विकेट पर १६९ रन बनाने में सफल रहा। छोटे फार्मेट के अनुभवी खिलाड़ी अक्षेर पटेल (आठ), तिलक वर्मा (दो) और शिवम दुबे (तीन) बड़ा योगदान नहीं दे पाये। वाशिंगटन सुंदर एक छक्के की मदद से सात रन बनाकर अजेय लौटे। भारत की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी वैभव सूर्यवंशी और श्रेयस अय्यर (२० गेंद में ३५ रन) ने की। १७० रनके लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज खाता खोले बगैर चलते बने जिसमें बुमराह के दो विकेट शामिल रहे। नुवांडु फर्नांडो (१५) ही दोहरे अंक में पहुंचे जबकि पांच बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए जिससे श्रीलंका की पारी ६१ गेंद शेष रहते सिर्फ ४५ रन पर सिमट गयी। बुमराह के अलावा अभिषेक शर्मा (२-२), अक्षेर पटेल (२-८) और वाशिंगटन सुंदर (१-१८) ने विकेट लिए। यह टी-२० में श्रीलंका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत ११वीं बार १०० रन के अंतर से जीता है। वह ऐसा करने वाली पहली टीम बन गयी है। कनाडा १० जीत के साथ दूसरे नम्बर पर जबकि आस्ट्रेलिया ने नौ बार ऐसा किया है।

## प्रसिद्ध कृष्णा और सुंदर बाहर

**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** वेस्टइण्डीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिनी मैच के लिए चोटिल प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, प्रसिद्ध के बाहर होने का कारण उनके बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग की चोट है। गुवाहाटी में खेले गये दूसरे मैच के दौरान प्रसिद्ध को यह चोट लगी थी जिसके चलते वह सिर्फ पांच ओवर ही गेंदबाजी कर पाये थे। अंशुल कंबोज इस समय पुडुचेरी में आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेल रहे हैं, जहां से उन्हें सीधा चंडीगढ़ में भारतीय टीम से जुड़ने के लिए बुलाया गया है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-२० शृंखला से हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को बाहर करने का फैसला किया है। यह निर्णय न्यूजीलैण्ड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है ताकि सुंदर अपने राज्य टीम तमिलनाडु के लिए रणजी ट्राफी मैच खेलकर लाल गेंद के क्रिकेट की तैयारी कर सकें। वाशिंगटन सुंदर की जगह टी-२० टीम में नमन धीर को शामिल किया गया है।

## टेनिस : नागल की हार से चुनौती समाप्त

**नागोया (एजेन्सियां)।** भारतीय टेनिस दल १९८६ के बाद पहली बार एशियन गेम्स से पदक लिए बिना लौटेगा। सुमित नागल के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर होने से एशियाड में भारतीय चुनौती समाप्त हो गयी। पदक की दावेदार युगल टीमों के बुधवार को ही बाहर होने के बाद भारत की उम्मीदों का दारोमदार एकल रैंकिंग में नम्बर एक खिलाड़ी सुमित पर था जो चीन के यिबिंग वू से एक घंटे ३८ मिनट तक चले मैच में ४-६, ४-६ से हार गये। भारत ने १९९० के बाद से हर एशियन गेम्स खेल में टेनिस में पदक जीते हैं और इस बार भी कम से कम तीन पदकों की उम्मीद थी। सोल में डेविस कप में दक्षिण कोरिया से मिली हार के बाद जापान में पदक जीतने से भारतीय टेनिसप्रेमियों को राहत मिलती, लेकिन यहां भी निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। आखिरी बार एकल वर्ग में प्रग्नेश गुणेश्वरन और अंकिता रैना ने भारत के लिए पदक जीते थे। दोनों को जकार्ता में २०१८ में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक मिला था। हांगझोउ में २०२३ खेलों में भारत को एकल पदक नहीं मिला था। रोहन बोपन्ना और दिविज शरण ने २०१८ में पुरुष युगल स्वर्ण और रोहन बोपन्ना के साथ रूतुजा भोसले ने २०२३ में मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता था। युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी से पदक की उम्मीद थी लेकिन वे पुरुष युगल और मिश्रित युगल मे हारकर बाहर हो गये।

## बदले स्वरूपके साथ १४ टीमोंके बीच होंगे ५७ मुकाबले

**एकदिनी विश्वकप-२०२७ का कार्यक्रम घोषित**

**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में दो अक्तूबर से २१ नवम्बर २०२७ तक होने वाले आईसीसी एकदिनी विश्वकप का कार्यक्रम घोषित हो गया जिसमें १४ टीमों के बीच ५७ मुकाबले होंगे। २०२७ विश्वकप का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बदला हुआ प्रारूप है। २०२३ के मुकाबले इस बार टीमों की संख्या १० से बढ़ाकर १४ की गयी है और सेमीफाइनल एवं फाइनल से पहले टूर्नामेंट को तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-सात शामिल हैं। शुरुआत तीन सबसे निचली रैंकिंग वाली टीमों के बीच सुपर सीरीज से होगी। ये तीनों टीमें राउंड-राबिन आधार पर एक-दूसरे से खेलेंगी। इस चरण की विजेता टीम ही अगले चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्वकप अभियान यहीं समाप्त हो जाएगा। यानी १४ टीमों वाले विश्वकप में मुख्य ग्रुप चरण की शुरुआत १२ टीमों के साथ होगी। सुपर सीरीज के मुकाबले नामीबिया की राजधानी विंडहोक से शुरू होंगे। सुपर सीरीज के बाद १२ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी।

हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों से राउंड-राबिन आधार पर मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल ३० मैच खेले जायेंगे। दोनों ग्रुप की शीर्ष तीन-तीन टीमें अगले चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम भी सुपर-सात में जगह बनाएगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी। सात टीमों वाला सुपर-सात चरण इस विश्वकप के प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव है। यहां सभी सात टीमें राउंड-राबिन आधार पर एक-दूसरे से खेलेंगी। इस चरण में कुल २१ मुकाबले होंगे। सुपर-सात की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले स्थान पर रहने वाली टीम का सामना चौथे स्थान वाली टीम से होगा, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में आमने-सामने होंगे। भारत में खेले गए २०२३ विश्वकप में कुल १० टीमें शामिल थीं। सभी टीमों ने लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेला था। इस तरह हर टीम ने नौ लीग मैच खेले और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद दो सेमीफाइनल और फाइनल के साथ टूर्नामेंट समाप्त हुआ था।

## थम नहीं रहा हाकी इण्डिया का विवाद

**नयी दिल्ली (एजेन्सियां)।** हाकी इंडिया के भीतर चल रही खींचतान जारी है। अब महासचिव भोलानाथ सिंहने छह अक्तूबरको कार्यकारी बोर्डकी बैठक बुलाई है जिस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अध्यक्ष दिलीप टिर्कीने कहा कि उन्हें बताए बिना और उनसे स्वीकृति लिये बिना यह बैठक बुलाई गयी है। एशियन गेम्स के लिए जापान गए भोलानाथने कार्यकारी बोर्डको गुरुवार बैठक के बावत ई-मेल भेजा है। महासचिव द्वारा भेजे गए ईमेल के अनुसार बैठक के एजेंडे में ओडिशा हाकी संघ के चुनाव का मसला प्रमुख है। इसके अलावा टिर्की द्वारा महासंघ के कुछ अधिकारियों के खिलाफ की गई पुलिस शिकायत का मसला भी शामिल है। इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए टिर्की ने कहा मैं हाकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड की प्रस्तावित १२०वीं बैठक का विरोध करता हूं जो मुझे बताए बिना या मंजूरी लिए बिना बुलाई गई है। इससे पहले भी महासचिव ने मुझसे स्वीकृति लिए बिना या बताये बिना १८ सितंबर को कार्यकारी बोर्ड की आपात बैठक बुलाई थी।